an>

Title: Regarding reqularizing casual artists working in Doordarshan and Akashvani.

श्री वीरेन्द्र कश्यप (शिमला) : उपाध्यक्ष महोदय, आकाशवाणी और दूरदर्शन केन्द्रों पर पिछले दस से तीस वÂ◌ा◌ा◌ें से लगातार सेवा कार्य करने वाले कैज़ुअल आर्टिस्ट्स, आकस्मिक उद्घोÂ◌ा कों का चयन विधिवत तरीके की प्रक्रिया से लिखित परीक्षा और साक्षात्कार में उत्तीर्ण होने पर किया जाता रहा है। आज भी दस से तीस वर्षों से जो काम कर रहे हैं, उनको वाणी प्रमाण-पत्र प्रशिक्षण के पश्चात भी रेगुलर नहीं किया जा रहा है। हालांकि, सरकार की जो नियमितीकरण की नीति है, उसके अंतर्गत कई निर्णय कोर्ट से भी आए हैं, कैट के माध्यम से भी आए हैं। परन्तु, फिर भी आज हमारे सैकड़ों ऐसे कैज़ुअल आर्टिस्ट्स हैं, जिन्हें रेगुलराइज़ नहीं किया जा रहा है।

महोदय, मेरा भारत सरकार से आग्रह है कि आकाशवाणी और दूरदर्शन केन्द्र में जितने भी कैज़ुअल आर्टिस्ट्स हैं, उन्हें रेगुलराइज़ किया जाए।

HON. DEPUTY-SPEAKER: Shri Kunwar Pushpendra Singh Chandel, Shri Sharad Tripathi, Shri Bhairon Prasad Mishra are permitted to associate with the issue raised by with Shri Virender Kashyap.